पत्रांक– 5436 न०वि०एवंआ०वि०

बिहार सरकार
नगर विकास एवं आवास विभाग

प्रेषक,

चैतन्य प्रसाद,
प्रधान सचिव।

सेवा में,

नगर आयुक्त,
नगर निगम पटना।

पटना, दिनांक 12/8/16

विषय :– **माह जुलाई 2016 की मासिक समीक्षा टिप्पणी के संबंध में।**

महाशय,

नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा आपके कार्यों की मासिक समीक्षा की जा रही है। माह जुलाई तक प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा से निम्न तथ्य विदित होते हैं :–

1. **चतुर्थ राज्य वित्त आयोग** :–

(i) चतुर्थ राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 3725.05 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 3725.05 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 838.30 लाख रूपये है, जो मात्र 22.50 प्रतिशत है। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि **अत्यंत निराशाजनक** है।

2. **13वें वित्त आयोग** :–

13वें वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 161.29 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2015–16 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 161.29 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 89.57 लाख रूपये है। जो मात्र 55.53 प्रतिशत है। स्पष्टत: आपकी उपलब्धि ***संतोषजनक*** है।

3. **14 वें वित्त आयोग -:** 14 वें वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 1998.05 लाख रूपये थी | वर्ष 2016-17 में 2498.81 लाख रूपये विमुक्त हुए | कुल उपलब्ध 4496.86 लाख रूपये संसाधनों में से अधतन व्यय 625.14 लाख रुपये है ,जो मात्र 13.90 प्रतिशत है | स्पष्टत: आपकी उपलब्धि अत्यंत निराशाजनक है |

4. **राज्य योजना** :– राज्य योजना अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 8178.96 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 8178.96 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 1063.22 लाख रूपये है, जो की मात्र 12.72 प्रतिशत है। स्पष्टत: आपकी उपलब्धि ***अत्यंत निराशाजनक*** है।

5. <u>पंचम वित्त आयोग -</u> 14 वें वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 5690.09 लाख रूपये थी | वर्ष 2016-17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए | कुल उपलब्ध 5690.09 लाख रूपये संसाधनों में से अधतन व्यय 0.00 लाख रुपये है ,जो मात्र 0.00 प्रतिशत है | स्पष्टत: आपकी उपलब्धि ***अत्यंत निराशाजनक*** है |

6. <u>उपयोगिता प्रमाण पत्र</u> :–

आपके निकाय के विरूद्ध वित्तीय वर्श 2003–04 से 2014–15 तक की अवधि में कुल 51820.82 लाख की राशी विभाग द्वारा आवंटित की गयी थी जिसके आलोक में 30561.11 लाख रूपये का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा की गयी है और 20863.83 लाख की राशि अभी तक समायोजित के लिए लंबित हैं | शेष लंबित राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र अगले 7 दिनों के अंदर विभाग में जमा करें |

7. <u>नगर सेवा प्रबंधन</u> :–

आपके शहर से संबंधित इस वित्तीय वर्ष में हेल्पलाईन के माध्यम से 3438 जन शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमे से अभी तक 1270 का निराकरण किया गया है | स्पष्टतः आपकी उपलब्धि **निराशाजनक** है।

8. <u>होल्डिंग टैक्स</u> :– माह जुलाई 2016 का मासिक संग्रहण 255.07 लाख रूपये है, जो की वित्तीय वर्ष की औसत मासिक संग्रहण 285.59 लाख रूपये से 77.67 प्रतिशत कम है। चालू वित्तीय वर्ष का वार्षिक औसत मासिक संग्रह 63.77 है | दिनांक 01.04.2016 को होल्डिंग की संख्या 208981 थी एवं अद्यतन तिथि तक 223437 होल्डिंग ही है। होल्डिंग का सर्वेक्षण करके अतिरिक्त होल्डिंग को होल्डिंग टैक्स के दायरे में लाने के लिए किये गये प्रयास जारी रखे।

9. <u>अन्य स्रोतों से कर</u> :– अन्य स्रोतों से कर वसूली 338.93 लाख रूपये है, जिसमें सुधार लाने का प्रयास करें।

10 . <u>पी०एल०खाता</u>:-

दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय के पी० एल० खाते में 19468.83 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 967.71 लाख राशि विमुक्त की गई है। इस प्रकार कुल उपलब्ध 20436.54 लाख की राशि में से 3687.76 लाख मात्र राशि का भुगतान किया गया है | शेष 16748.77 लाख की अव्यवहृत अंतिम राशि (Closing Balance) अभी भी मौजूद है जो अत्यंत ही बड़ी राशि है|

11. <u>लंबित अंकेक्षण :-</u>

आपके नगर निकाय के विरुद्ध निम्नलिखित अंकेक्षण प्रतिवेदन लंबित है :-

अंकेक्षण प्रतिवेदन सं०	वर्ष	अनुपालन प्रतिवेदन की स्थिति
747/2009-10	2008-09	अप्राप्त
08/2012-13	2010-11	अप्राप्त
463/2007-08	2005-06 से 2006-07	अप्राप्त
499/2008-09	2006-07 से 2007-08	अप्राप्त
121/2009-13	2007-08	अप्राप्त

उपर्युक्त लंबित कंडिकाओ का निष्पादन अगले 7 दिनों के अंदर विभाग में जमा करें जिससे इसपर अग्रेतर कार्रवाई की जा सके |

निर्देश दिया जाता है कि इस मासिक समीक्षा टिप्पणी में अंकित तथ्यों पर लिखित अनुपालन प्रतिवेदन पत्र निर्गत होने के तीन सप्ताह के अंदर अनिवार्य रूप से विभाग को प्रेषित किया जाय। इस मासिक समीक्षा टिप्पणी को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड किया जा रहा है। साथ ही आपके द्वारा समर्पित किये जा रहे मासिक समीक्षा टिप्पणी का अनुपालन प्रतिवेदन भी वेबसाईट पर अपलोड किया जाएगा।

विश्वासभाजन

16/8/2016

(चैतन्य प्रसाद)
प्रधान सचिव